TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

28 अगस्त 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

एक अच्छा शिक्षक अपने विद्यार्थियों को

अपने प्रभाव से बचाता है।

ब्रूस ली

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

28 अगस्त

1. **फ़िराक गोरखपुरी का जन्म–** प्रसिद्ध उर्दू के शायर फ़िराक गोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त 1896 को उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में हुआ था। इनका मूल नाम रघुपति सहाय था। राम–कृष्ण की कहानियों से शुरूआत के बाद की शिक्षा अरबी, फारसी और अंग्रेजी में हुई। इनकी प्रसिद्ध कृति 'गुल–ए–नगमा' के लिए 1970 में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी प्रदान किया गया। वर्ष 1969 में ज्ञानपीठ पुरस्कार और वर्ष 1968 में 'पद्म भूषण' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

2. **नारायण गुरू का जन्म–** भारत के महान संत एवं समाज सुधारक नारायण गुरू का जन्म 28 अगस्त, 1855 ई. को केरल राज्य में हुआ था। दक्षिण केरल में नैयर नदी के किनारे एक जगह है अरूविप्पुरम। नारायण गुरू ने यहां एक मंदिर बनाया था। इस मंदिर में बिना किसी जाति–भेद के कोई भी पूजा कर सकता था। उन्होंने छुआछूत का विरोध किया।
   - **संदर्भः** बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग–3** के **अध्याय 8** के संदर्भ में जोड़कर बतायें।

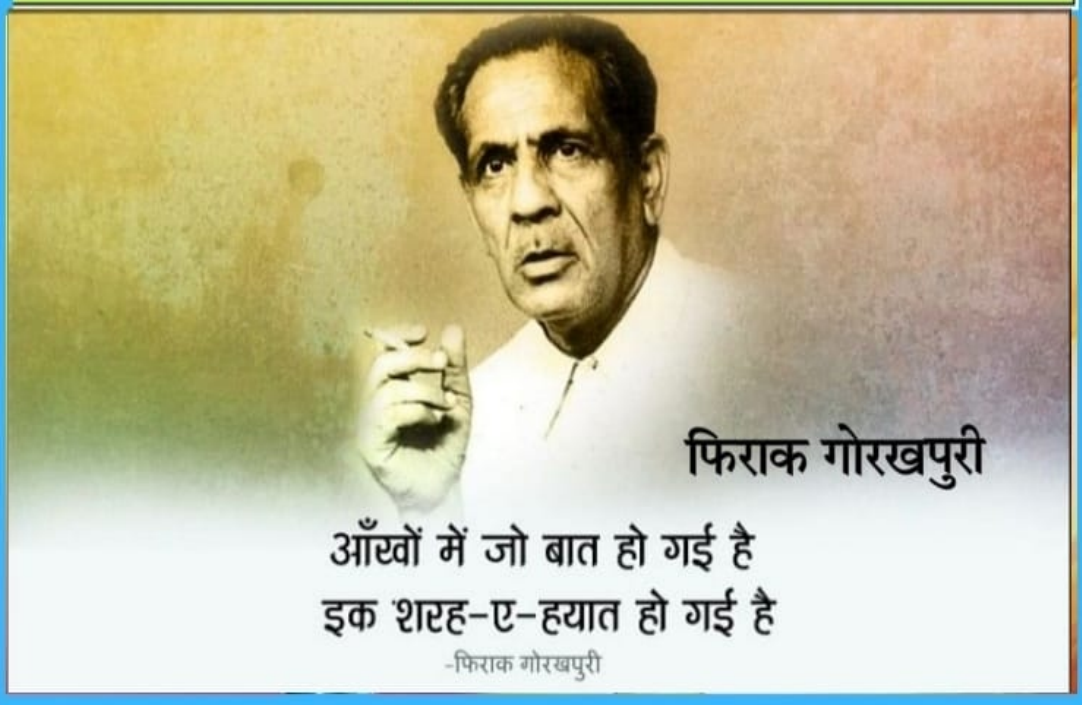

Wednesday

दिवस विशेष

28 अगस्त

मधु प्रिया

फिराक गोरखपुरीगोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त

उर्दू के प्रसिद्ध रचनाकार एवं प्रसिद्ध शायर रघुपति सहाय उर्फ फिराक गोरखपुरी का जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 28 अगस्त 1996 को हुआ पिता मुंशी गोरख प्रसाद बहुत ही प्रतिष्ठित व्यक्ति थे और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में उचित स्थान रखते थे। फिराक ने रामकृष्ण के कहानियों के माध्यम से अपनी प्रारंभिक शिक्षा का आरंभ किया और कुछ समय के उपरांत अरबी फारसी और अंग्रेजी भाषा का भी गहन अध्ययन कर लिया। इन्होंने कला से स्नातक किया और पूरे प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके उपरांत यह आई.सी.एस में चुने गए, किंतु गांधी जी से प्रेरित होने और देश की क्रांतिकारी आंदोलन के कारण इन्होंने अपने पद से 1920 में त्यागपत्र दे दिया और गांधी जी के असहयोग आंदोलन में सम्मिलित हो गए। असहयोग आंदोलन में सम्मिलित होने के कारण ब्रिटिश सरकार के द्वारा इन्हें डेढ़ साल तक जेल की सजा काटने की सजा दी गई। फिर इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 1930 से 1959 तक अंग्रेजी विषय के प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की और उर्दू साहित्य के एक बड़े हिस्से रूमानियत, रहस्य और शास्त्रीयता को लोग जीवन और प्रकृति के पक्ष पर बहुत कम उभार पाए साथ ही इन रिवायतों को तोड़ने में फिराक गोरखपुरी का नाम भी जुड़ा हुआ है। जिन्होंने सामाजिक दुख दर्द को व्यक्तिगत अनुभूति के साथ शायरी में वर्णित किया और दैनिक जीवन के कड़वे सच और आने वाले कल के प्रति उम्मीदों, दोनों को भारतीय संस्कृति और लोकभाषा के प्रतीकों से जोड़कर फिराक ने अपनी शायरी का अनूठा महल स्थापित किया। भारतीय संस्कृति की इतनी गहरी समझ के कारण इनकी शायरी भारत की मूल पहचान बन गई। 1970 में उनके द्वारा रचित कृति "गुले नगमा" के लिए इन्हें प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फिराक एक बेबाक, मुहफट और दबंग लेखक थे जो बिना किसी झिझक के अपनी बातों को प्रकट कर देते थे। उर्दू साहित्य का यह जगमगाता सितारा 3 मार्च 1982 को इस दुनिया से अलविदा कहा गया।

जयंती विशेष 28 अगस्त

राकेश कुमार

उर्दू के मशहूर शायर फ़िराक़ गोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त, वर्ष 1896 ई. में गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। फ़िराक़ का पूरा नाम 'रघुपति सहाय फ़िराक़' था, किंतु अपनी शायरी में वे अपना उपनाम 'फ़िराक़' लिखते थे। उनके पिता का नाम मुंशी गोरख प्रसाद था, जो पेशे से वकील थे।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 28.08.2024

संज्ञानात्मक प्रक्रिया

संज्ञानात्मक प्रक्रिया में सूचना प्राप्त करना, उसका प्रसंस्करण करना और उसे पुनः उपयोग करने के लिए स्मृति में संग्रहीत करना शामिल है। संज्ञान सीखने के समान है क्योंकि यह प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना है। संज्ञानात्मक प्रसंस्करण में शामिल चरणों में ध्यान, भाषा, स्मृति, धारणा और विचार शामिल हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

दुनिया में एक मात्र दक्षिण अफ्रीका ऐसा देश है जिसकी तीन राजधानियां है। दक्षिण अफ्रीका की तीन राजधानी, केपटाउन, प्रिटोरिया और ब्लोमफोंटेन है। केप टाउन, साउथ अफ्रीका की विधायी राजधानी है. वहीं, ब्लॉमफ़ोन्टेन न्यायिक राजधानी है, और प्रिटोरिया प्रशासनिक और कार्यकारी राजधानी है।

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

क्रिकेट

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूप में भारतीय सलामी बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी

PLAYER'S	CENTURIES	INNINGS
सचिन तेंदुलकर	45	342
रोहित शर्मा	43*	354
वीरेंद्र सहवाग	36	388
सुनील गावस्कर	34	286
शिखर धवन	24	288

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024

में चयनित

सिकेन्द्र कुमार सुमन
न्यू प्राथमिक विद्यालय तरहनी
कैमूर, बिहार

डॉ मिनाक्षी कुमारी
शिवगंगा बालिका प्लस 2 उच्च
विद्यालय मधुबनी
बिहार

को टीचर्स ऑफ बिहार परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

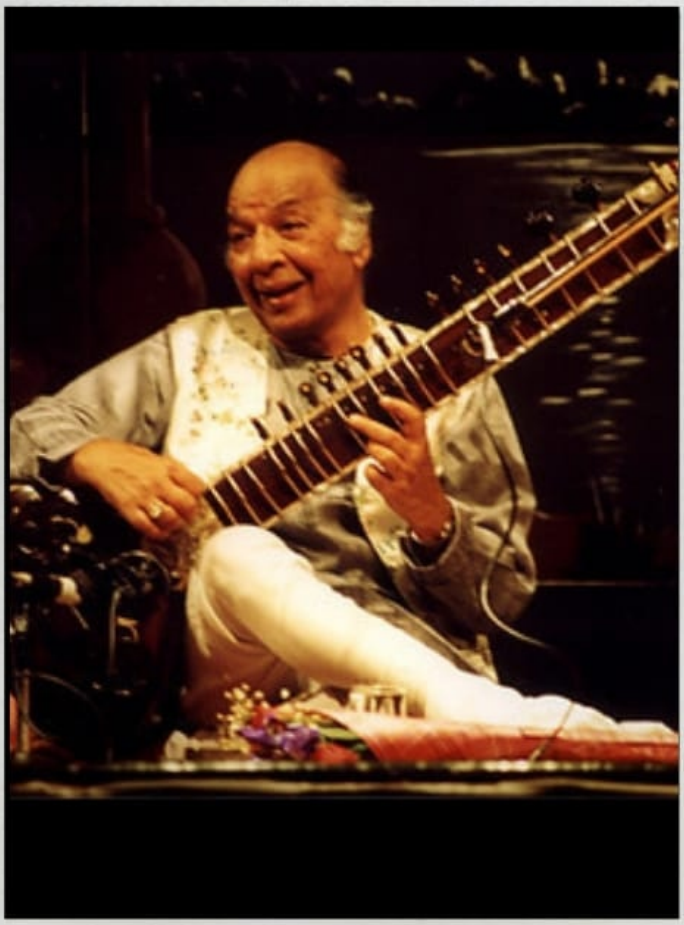

आफताब-ए-सितार का
सम्मान पाने वाले एकमात्र
सितारवादक

विलायत खां

की जयंती पर सादर नमन।

28 अगस्त 1928– 13 मार्च 2004

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
28 अगस्त 1896
3 मार्च 1982
बीसवीं सदी के प्रसिद्ध शायर
फिराक गोरखपुरी
की जयंती पर सादर नमन।
Madhu priya
/teachersofbihar

28 अगस्त

भारत के प्रसिद्ध उर्दू शायर

"पद्म भूषण"

फ़िराक़ गोरखपुरी

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

28 अगस्त 1896 - 3 मार्च 1982

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari